

बलताकया अयासस कीलतायाथ वातिव तादायविज्जात कणदय ॥ वटयुगमपद्वर्ग गुंजाविद्रुमसन्निह ॥ व
ज्जादावर्था गुंजार्थायातथेकनयि ॥ नसाकि वातिविषा कूटजवचमवच सीरुत इकर्मकोट पातार्थुनकज ॥
ननाअन अतिथग कूटवीज लवदलवच पूवाक हाया मिकली कोट लवनको नका नि ॥ नकार्गया ॥ सर्वेसर्व
लकात्यादू ल्वकलोसहजानिव ॥ धतलक पविदाय अर्गया सेवसिकसेधाय ॥ धसवसिकसद्वाका लकपीसहजा
गयातकपशना ॥ रुत्ताटकानादिघर्त विरुक्कस्यध दया वाहुजातिपेनवेक सवर्गादिमुली दंयैयुर् ॥ वीकिसे
दीगनेधेत दगासिच विगेषतशयाधु गधुनागय दृष्टं नागनिकनर्ण ॥ वासा १ प्र २ विरुक्क २ शुक्कसाल १ पातक १ ल
वदलवच १ वृयकगल १ धतदाकाया दृमजकि वल्लजान वात गुरुविदनस्य अग्निहायकव पिदायार्गनाग सहजार्ग
याधुनाग गाथ धतदव ॥ रुत्ताधुगुत्त रीसाके शुदिनेगस्यनूक्कनश रुत्तायुर् सपाकली निरुन्युदकाठन
॥ ल्वेयु वीकास्यक सन २ हाव धनिवयिव क्कसायिव कानयूव यासवाव अयाससके कृद्वियिव अर्ग नायस धत

उपद्रवदातदावगियिव॥ ॥ वासननादवाचकं विक्रममिति न कृता। धूमनास्त्रिभूता तस्य युक्तिर्लसर्ववर्धिता॥ वा
तमश्ववया चैश्याथस्याक चकनमलाक विक्रमयुक्ता दध्मपववश्ववया धकेनलाक धतयुक्तिया त्वनि युक्ति
धय युक्त २ वव अर्णाकि नश्व॥ ॥ वृत्तिनिदानाद अर्णाधिकान्नविकित्वा॥ ॥ कनकाय दुधमनी भास्वावगव
तव॥ ॥ कनकातेपे वृथा नारी का क व न सनिव॥ ॥ कामक्राधाद गवदौरी कीलचिकारय युता॥ कामस
नाक्राधसना नारी वेगश्रूव॥ कीलयाद नकस सनिव चिकानक वयाव रुयनक वयाव नारी धेय॥ ॥ मन्दादि
कीलधादुध ना नान्य रत्राव॥ ॥ अग्निमन्दरा धाधु कीलनारी मन्द २ याद सत्रादन सनिव॥ ॥ अष्टक
रुवकाका नारी सामाननीयसी॥ हित्रावया नारी धाय लदद सनिव वातसदव मिसाया रति कादाव तवेय
दद आतस्य नारी सनिव॥ आमयाथथ सनिव॥ ॥ लयीवदति दीक ग रुदावगवती रव॥ ॥ अग्नि तवमागन
वत कलयुक्ता वया नारी वगव नारी सनयू॥ ॥ सुखितमग्नि नाक्या तदावगवती गिना॥ सुखगती नया नारी